

न्यायालय श्री मानु राजस्व मण्डल ज्वालियर, बेन्व रीवा जिलारीवा म.पु.



2228

R-2228-III/17

शुद्धन प्रसाद नामदेव पिताश्री रामगरोब नामदेव उम्र 40 साल पेशा सिलाई,  
निवासी ग्राम इटार हाल निवाही डडवा, तहसील व धाना गुड, जिलारीवा  
४ म० पु० ४

आवेदक

व नाम

रामपियारे ब्रा० तनय स्व. श्री बैजनाथ ब्रा० निवासी ग्राम इटार धाना व  
तहसील गुड, जिला रीवाम.पु.

अनावेदक

आवेदक आर्थिकपूरा  
श्री धनुषरायण पटेल एड.  
दस्तावेज 14-7-17  
14-7-17  
पतलक ऑफ कोर्ट  
एगलस मन्शन नं० प्र० ज्वालियर  
(ब्रिफिंग कोर्ट) रीवा

निगरानी विरुद्ध आदेश श्री मानु नायब तहसीलदार  
महोदय, तहसील गुड, के प्र. क्र. 93/अ-12/2015 -  
2016 के आदेश दिनांक- 24 & 2016

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म.पु. भू-राजस्व  
संहिता सन् 1959 ईसवी.

महोदय,

आधार आवेदन पत्र निम्न है :-

1:- यहकि अनावेदक ने ग्राम इटार राजस्व निरीक्षक दुआरी तहसील गुड,  
जिला रीवा ने दिनांक- 22 6 2016 को ग्राम इटार की आराजी ४ क्र.  
316/2, 319/1, 452/5, आराजिये का सीमांकन हेतु आवेदन पत्र लगाया  
तथा सरहदूदी का स्तकार मे प्रार्थी को कही भी लेख नही किया, जबकि प्रार्थी  
452/1/1/1/2 0004 हे० एवं 452/1/2 रकवा 0.008 हे, एवं 452/4 रकवा  
0008 हे०, का रजिस्टर्ड भूमि स्वामी है, तथा 452x 5 जो आवेदक की  
आराजी है उती से लगी आराजियाहे अनावेदक की है, क्युकि 452 की

शुद्धन

क्रमः 2


आवेदक

20/11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ  
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक 2228-तीन/2017 निगरानी

जिला - रीवा

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
11/8/17	<p>यह निगरानी नायव तहसीलदार, गुढ जिला रीवा द्वारा प्रकरण क्रमांक 93 अ-12/2015-16 में पारित सीमांकन आदेश दिनांक 24-8-2016 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है। आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क सुने जा चुके हैं। प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं प्रस्तुत अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि अनावेदक क्रं-1 के आवेदन पर उनके स्वामित्व की मौजा गेरुआर स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 316/2, 319/1, 452/5 का हलका पटवारी ने मेढ़िया कास्तकारों को सूचना देते हुये दिनांक 28-7-16 को सीमांकन किया है, जिस पर मेढ़िया कास्तकारों को सूचना की गई है। किसी प्रकार की आपत्ति न आने पर नायव तहसीलदार ने सीमांकन आदेश दिनांक 24-8-16 से सीमांकन को अंतिमता प्रदान की है जिसके विरुद्ध यह निगरानी है। आवेदक के अभिभाषक की आपत्ति है कि सीमांकन गलत करते हुये उनकी भूमि को प्रभावित किया गया है, माने जाने योग्य नहीं है। यदि आवेदकगण किये गये सीमांकन से सन्तुष्ट नहीं है तब वह अपनी भूमि का सीमांकन राजस्व निरीक्षक अथवा अधीक्षक भू अभिलेख से कराने हेतु स्वतंत्र है जिसके कारण अनावेदक की भूमि के विधिवत् हुये सीमांकन में हस्तक्षेप करना उचित नहीं है।</p> <p>3/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है एवं नायव तहसीलदार, गुढ जिला रीवा द्वारा प्रकरण क्रमांक 93 अ-12/2015-16 में पारित सीमांकन आदेश दिनांक 24-8-2016 यथावत् रखा जाता है।</p>	 सदस्य